bpni
putting child nutrition
at the forefront
of social change

"BPNI स्तनपान सुरक्षा" - मोबाइल ऐप- स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए एक वरदान

प्रेस प्रकाशनी, नई दिल्ली, 7 अगस्त, 2020

आज, पंजाब केसरी पब्लिशर्स की निर्देशक सुश्री किरण चोपड़ा ने "BPNI स्तनपान सुरक्षा" मोबाइल एप्लिकेशन को लॉन्च किया। इसे डिजिटल रूप से लॉन्च करते हुए उन्होंने कहा, यह स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए एक 'वरदान' होगी। यदि उन्हें यह महसूस होता है कि स्तनपान करते समय उनका दूध पर्याप्त नहीं है या यह एक कष्टप्रद अनुभव है, तो वे एक कुशल स्तनपान परामर्शदाता तक पहुंच सकते हैं और स्तनपान में सफल हो सकते हैं।

ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया (BPNI), एक राष्ट्रीय संगठन है जो 29 साल से ब्रेस्टफीडिंग के मुद्दों पर काम कर रहा है। BPNI ने इस मोबाइल एप्लिकेशन की अवधारणा की और इसे विकसित किया।www.bpni.org

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि "माताओं को उचित भोजन प्रथाओं को शुरू करने और बनाए रखने में मदद करने के लिए और कठिनाइयों को रोकने और उन्हें होने पर उन्हें दूर करने के लिए" कुशल समर्थक तक पहुंच होनी चाहिए, । और आगे यह कहता है कि "सभी गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के साथ माताओं को स्तनपान परामर्श प्रदान किया जाना चाहिए"[i]

डॉ.शीला देब, अतिरिक्त आयुक्त (बाल स्वास्थ्य और प्रभारी - पोषण) MoHFW, भारत सरकार भी लॉन्च में मौजूद थे। उन्होंने कहा कि बीपीएनआई ने इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है।

इस काम के पीछे BPNI के केंद्रीय समन्वयक डॉ। अरुण गुप्ता का दिमाग है। उन्होंने कहा कि भारत में 'बेबी फूड' और फीडिंग -बॉटल्स' को बढ़ावा देना प्रतिबंधित है। यह ऐप इस कानून की निगरानी के लिए एक गेम चेंजर होगा। अब उपभोक्ता सीखेंगे कि क्या निषिद्ध है। वे फिर इसकी निगरानी शुरू करेंगे।

ऐप बेबी फूड और बोतल बनाने वाली कंपनियों के व्यवहार की रिपोर्ट करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह जांच करेगा कि 2 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बेबी फूड कंपनियां अपने उत्पादों को कैसे बढ़ावा देती हैं।

प्रत्येक व्यक्ति या एक सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, गैर-सरकारी संगठन इस पर रिपोर्ट कर सकते हैं।

कोई भी इस ऐप को Google Play और Apple Store पर डाउनलोड कर सकता है। इसे "BPNI Stanpan Suraksha" नाम से खोजा और डाउनलोड किया जा सकता है।

कानून "शिशु दूध का विकल्प, बोतलें, और शिशु आहार (उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम 1992, और संशोधन अधिनियम 2003", शिशु खाद्य पदार्थों के किसी भी प्रकार के प्रचार पर प्रतिबंध लगाता है जैसे विज्ञापन, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन, माताओं और बच्चे की तस्वीरों का उपयोग करना[ii]!

आदित्य महापात्र, जिन्होंने लॉन्च में भाग लिया, ने कहा, "बीपीएनआई द्वारा बहुत अच्छी पहल। यह सभी फ्रंट लाइन कर्मचारियों के लिए एक बड़ी मदद होगी"।

और नोएडा से सुश्री नेहा मिश्रा इस लॉन्च से खुश थीं "मैं निश्चित रूप से माताओं के लिए सभी ऑनलाइन समुदायों में इस शब्द का प्रसार करूंगी। यह विश्व स्तनपान सप्ताह 2020 का एक ऐसा चमत्कारिक उपहार है"।

सुश्री किरण चोपड़ा ने अपने बच्चों को स्तनपान कराने का अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, "स्तनपान भारत की मौलिक ताकत बनाने के लिए सबसे अच्छा है। इसके अलावा उसने कहा कि BPNI और भारत सरकार को सभी महिलाओं तक पहुंचना चाहिए।

डॉ देब ने उम्मीद जताई कि, "वीडियो कॉल के माध्यम से स्थानीय भाषाओं में कुशल स्तनपान परामर्श बहुत उपयोगी होगा"। उसने कहा, "यह किसी के द्वारा भी इस्तेमाल किया जा सकता है, इस आवेदन की सुंदरता है और इस तरह की पहल बहुत आगे बढ़ सकती है"

बीपीएनआई डॉक्टरों और नर्सो, बाल रोग विशेषज्ञों और प्रसूति रोग विशेषज्ञों से इस मोबाइल एप्लिकेशन पर भरोसा करने का अनुरोध करना चाहता है-सूचना और मदद का भरोसेमंद स्रोत।

अधिक जानकारी के लिए:

सुश्री नूपुर बिडला, निदेशक वकालत, BPNI; nupurbidla@gmail.com; 9958163610

द्वारा जारी किया गया: भारत का स्तनपान संवर्धन नेटवर्क (BPNI)

टिप्पणियाँ।

---

[i] https://www.bpni.org/webinar-on-counselling-women-on-breastfeeding-iycf/

[ii] https://www.bpni.org/national-policy-programme-4/

ज़ूम पिक्चर : सुश्री किरण चोपड़ा (पंजाब केसरी), डॉ। सिला देब (भारत सरकार), डॉ। अरुण गुप्ता (BPNI), सुश्री नुपुर बिडला (BPNI), सुश्री ज़रीन अशरफ़ (BPNI) और डॉ। जेपी दधीच (BPNI) “BPNI Stanpan Suraksha” ऐप के लॉन्च पर

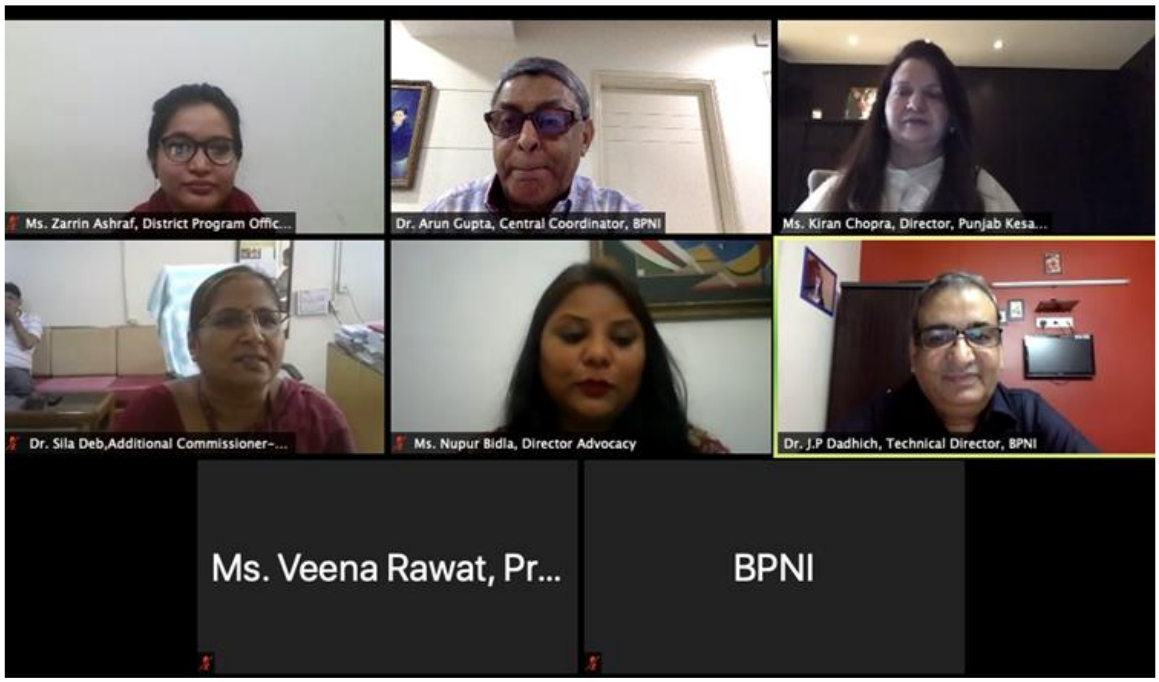

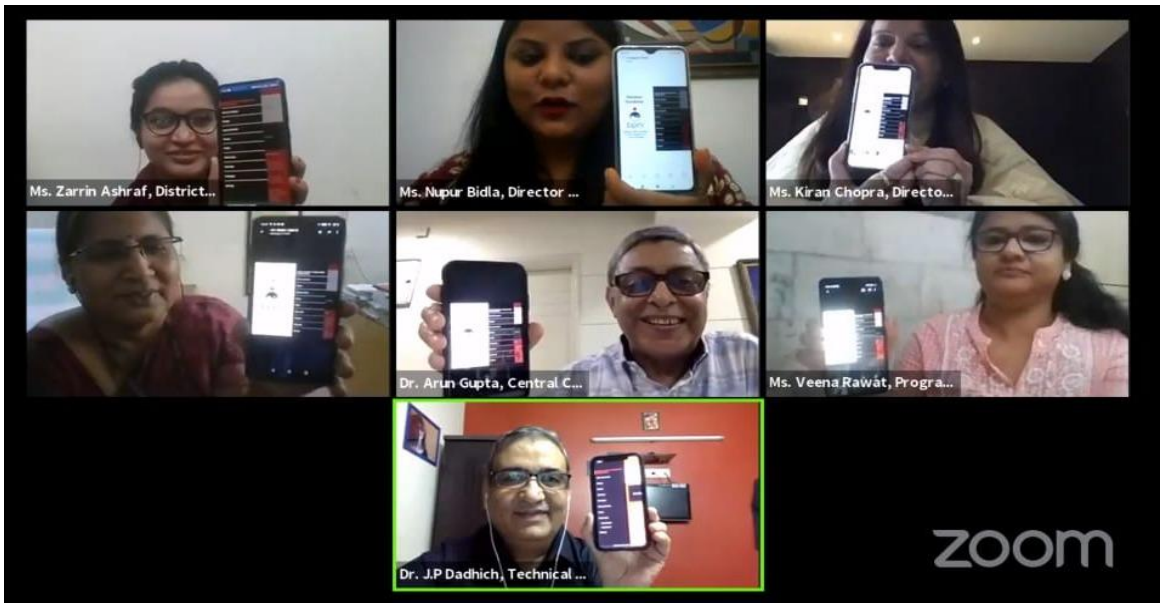

मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च